पेसा कानून के तहत गाँव विकास नियोजन

विलेज प्रोफाइल

दामड़ी

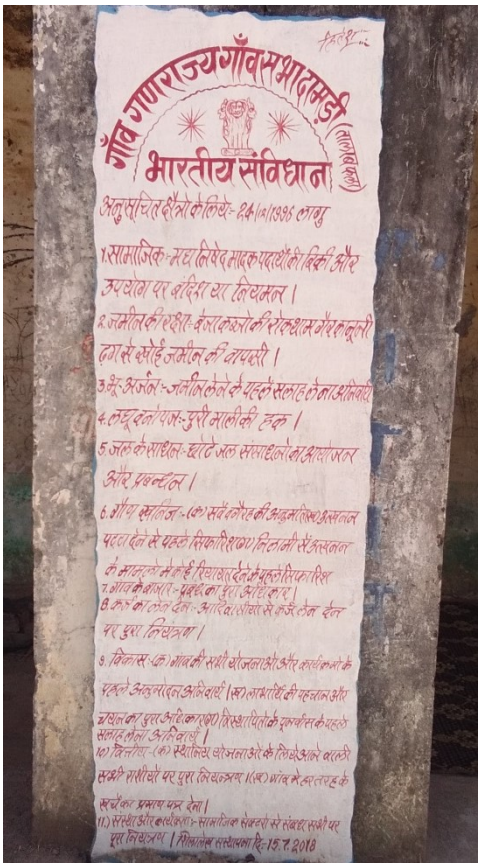

ग्राम पंचायत - दामड़ी

ब्लॉक/पंचायत समिति - दोवड़ा

तहसील एवं जिला - डूंगरपुर, राजस्थान

पीस

गाँव का इतिहास

दामड़ी गाँव लगभग 1200 वर्ष पुराना है। दामड़ी गाँव का नाम दला पाटीदार के नाम पर रखा गया है। दामड़ी गाँव के तालाब फला में सबसे पहले परमार परिवार आया था । इस गाँव को कुबेर भाई परमार, वालजी मनात तथा दयालदास जी मनात ने बसाया था । दामडी गाँव में कुल 6 फले और 9 वार्ड हैं ।

दामडी गाँव के तालाब फला में एक तालाब है, जिसका नाम गोडवा तालाब है। तालाब फला गाँव का सबसे बडा फला है। यहाँ पर एक धुणी माता तथा भैरवजी का मंदिर है। गाँव में महादेवजी का मंदिर है, जहां पर लोग मन्नत माँगने जाते हैं।

दामड़ी गाँव का परिचय

दामड़ी गाँव दामडी ग्राम पंचायत का एक राजस्व गाँव है। यह जिला मुख्यालय डूंगरपुर से 18 किलोमीटर दूर उत्तर दिशा में बसा हुआ है। दामड़ी पंचायत में 2 गाँव हैं- दामडी और बादीघाटी । दामड़ी गाँव के सबसे निकटवर्ती गाँव डाबेला, चितरेटी, नरिणया, पांतली, सीमलघाटी, भोजातो का ओडा, सीदड़ी खेरवड हैं। दामडी गाँव में शिलालेख 15 जुलाई 2018 को हुआ और 7 अगस्त 2018 को गाँव सभा का गठन किया गया । दामडी गाँव में 1000 घर हैं । गाँव की आबादी लगभग 4500 है । गाँव में एस.टी., एस.सी., ओ.बी.सी. और सामान्य जाति के लोग निवास करते हैं । एस.टी. जाति में परमार, कटारा, मनात और रोत उपजाति के लोग हैं । इनके साथ ही यादव, सुथार, कलाल, पाटीदार, राजपूत और ब्राह्मण समाज के लोग भी रहते हैं । सभी लोग खेतिहर किसान हैं । गाँव के लगभग 15 लोग सरकारी नौकरी करते हैं । गाँव में अधिकतर लोगों को पेसा कानून की जानकारी है । हर माह एक निश्चित तारीख को गाँव सभा की बैठक की जाती है । यहाँ सरकार के द्वारा पेसा प्रेरक नियुक्त किये गये हैं । गाँव में वागड़ मजदूर किसान संगठन के कार्यकताओं के द्वारा पेसा की जानकारी और जागरूकता का प्रसार करने के लिए बैठकें और कार्यशालायें आयोजित की जाती हैं । गाँव की पूरी जमीन का रकबा 1211 हेक्टेयर है, जिसमें कृषि योग्य जमीन, बिलानाम, चारागाह, और पहाड़ शामिल है । बिलानामी जमीन 6 हेक्टेयर है । गाँव में जंगल की जमीन बिल्कुल नहीं है । पंचायत का मुख्य गाँव होने के कारण राशन की दुकान, स्वास्थ्य केंद्र, पोस्ट ऑफिस, और पंचायत का एक मात्र बस स्टैंड भी यही है।

यातायात की सुविधा एवं स्थिति

दामड़ी जाने के लिए डूंगरपुर के बस स्टैंड से आसपुर जाने वाली बस से चितरेटी गाँव में उतर कर ऑटो से दामड़ी गाँव जाया जा सकता है । गाँव में 4 पक्की सड़कें, 6 सी. सी. सड़कें और 10 कच्ची सड़कें हैं । सीसी सड़क और कच्ची सड़क गाँव के भीतर फलों में जाने के लिए है। गाँव की एक मुख्य पक्की सड़क दामड़ी से बादीघाटी जाती है । दूसरी मुख्य पक्की सड़क चितरेटी से बादीघाटी जाती है । गाँव में एक बस स्टैंड है, जहाँ से ऑटो, जीप तथा निजी वाहन दूसरे गाँव में जाने के लिए मिल जाते हैं । लेकिन गाँव के फलों में केवल नीजी वाहन जैसे ऑटो, मोटरसाइकिल या पैदल जाया जाता है। खरीदारी के लिए बड़ा

बाजार पुनाली और दोवडा है । मुख्य बाजार डूंगरपुर 18 किमी दूर है, जहाँ पर सभी प्रकार की घरेलू खरीदारी के अलावा शादी-ब्याह और त्यौहारों की खरीदारी की जाती है। डूंगरपुर आने के लिए मुख्य बस स्टैंड से ऑटो या जीप मिल जाती है।

पेयजल की सुविधा

गाँव में 33 कुएं और 60 से अधिक हैंडपंप हैं । एक सरकारी आर.ओ. तालाब फला स्कूल में लगा है । कुछ लोगो ने बोरवेल भी खुदवा रखे है । गाँव के 10 कुएं और 25 हैंडपंप ही गर्मी में चालू रहते हैं । इनके पानी में भी फ्लोराइड की मात्रा ज्यादा है, जिस कारण बीमारियाँ हो जाती हैं, लेकिन गाँव के लोग इसी को उपयोग में लेते हैं ।

कृषि और रोजगार की स्थिति

गाँव में कृषि योग्य जमीन पर गेहूँ, मक्का, उडद, ज्वार, धान, तुअर, डागर, सरसों, मूंग और चना की खेती की जाती है। जिन लोगों के पास निजी बोरवेल और गहरे कुएं हैं, वे ही गेहूँ और सरसों की खेती कर पाते हैं । सिंचाई के पानी की कमी के चलते खाद्य उपज पाँच या छह माह खाने तक का ही हो पाती है। कृषि जमीन भी ऊबड़-खाबड़ और पहाड़ी है । जमीन समतल नहीं होने से उपज लेने में समस्या आती है । रोजगार के नाम पर मनरेगा में मजदूरी और दिहाड़ी मजदूरी करते हैं । रोजगार की तलाश में युवा डूंगरपुर शहर आते हैं । इसके अलावा गुजरात के अहमदाबाद, मोडासा, हिम्मतनगर जाते हैं, जहाँ वे कपास के खेतों, आइसक्रीम फैक्ट्री या कपड़ों की मिलों में काम करते हैं । अधिकतर लोग गुजरात की नमकीन बनाने की फैक्ट्री में काम करते हैं । दामडी गाँव से 15 लोग अलग-अलग सरकारी विभागों में कार्यरत हैं ।

सिंचाई एवं पशुपालन

गाँव में 2 बड़े नाले, 2 तालाब, 2 एनिकट, 33 कुएं और निजी बोरवेल हैं, लेकिन मध्य ग्रीष्म ऋतु में सभी जल स्रोतों में पानी का जल स्तर नीचे चला जाता है और इनमें पानी की कमी हो जाती है । गाँव के 2 बड़े और 7 छोटे नालों का पानी बारिश बंद होने के महीने भर में ही खत्म हो जाता है । गाँव में 2 तालाब हैं । एक तालाब फला में है, जिसमें साल भर पानी रहता है । तालाब के पास के खेतों में इसके पानी से सिंचाई होती है । दूसरा तालाब नालफला में है, जो बारिश के मौसम में ही भरा रहता है । इन तालाबों और कुओं से पशुओं के पीने के पानी का बंदोबस्त किया जाता है । इन नालों पर 2 छोटे एनिकट बने हैं, जिनकी स्थिति काफी जर्जर है । जिस कारण वर्षा ऋतु समाप्त होते ही पानी बह कर निकल जाता है । वर्तमान में पानी का स्तर 250 फीट से नीचे चला गया है, जो कि भविष्य में जल संरक्षण के उपाय नहीं किये जाने पर और भी नीचे जाएगा । गाँव के लोग बकरी, गाय और भैंस जैसे दुधारू पशु पालते हैं । इसके अलावा मांस के लिए मुर्गी पालन और बकरे भी पालते हैं । चारागाह जमीन पर गाँव के लोगों का कब्ज़ा है । कब्जे से बचे चारागाह की जमीन पर इतना चारा नहीं होता जो

पशुपालन के लिए पर्याप्त हो । जिस कारण चारा गुजरात राज्य या उदयपुर जिले के गाँवो से खरीद कर लाना पड़ता है । चारे की एक पुली (गट्टर) 5 से 7 रुपये में पड़ता है। एक ट्रक भूसा या चारा 15000-20000 रुपये तक पड़ जाता है । इसे तीन-चार परिवार के लोग मिलकर खरीदते हैं ।

शिक्षा व स्वास्थ्य

गाँव में 3 प्राथमिक विद्यालय, 1 रा.उ.मा.वि. और 1 रा.बालिका उ.मा.विद्यालय है । तीनों प्राथमिक स्कूलों में 150 बच्चे पढ़ते हैं । तीनों विद्यालयों में कुल मिलकर मात्र 6 अध्यापक नियुक्त हैं । दोनों उच्च माध्यमिक विद्यालयों में 13-13 अध्यापक नियुक्त हैं । प्राथमिक स्कूलों में कक्षा कक्ष कम हैं । बच्चों को बाहर बिठाकर पढ़ाया जाता है । कक्ष कम होने से दो कक्षायें एक साथ बैठती हैं । विद्यालयों में खेल के मैदान और शौचालय की हालत भी अच्छी नहीं है । हर प्राथमिक स्कूल में सिर्फ 2 अध्यापक नियुक्त होने से पढ़ाई का स्तर ठीक नहीं है । पढ़ाई अच्छी ना होने के कारण गाँव के बच्चों का सीखने और ज्ञान का स्तर भी काफी निम्न है । उच्च माध्यमिक स्कूलों में भी अध्यापकों की कमी है । यहाँ खेल के मैदान की स्थिति अच्छी नहीं है । शौचालयों में पानी की सुविधा नहीं है । न ही उनमें सफाई रहती है । छात्र-छात्राओ के लिए पीने के स्वच्छ पेयजल की सुविधा नहीं है । बच्चों को हैंडपंप का फ्लोराइड वाला पानी पीना पड़ता है । स्नातकस्तरीय पढाई के लिए 18 किमी दूर डूंगरपुर शहर जाना पड़ता है । अधिकतर बच्चे रोजाना आते-जाते हैं । गाँव में 5 आंगनवाड़ियाँ हैं । आंगनवाडियों के भवन की हालत अच्छी है, लेकिन वहाँ मिलने वाले पोषाहार की ख़राब गुणवत्ता को लेकर क्षेत्रवासियों में शिकायत है ।

गाँव में एक उप-स्वास्थ्य केंद्र है । वहाँ दवाइयाँ मिल जाती हैं, लेकिन पीने के पानी और शौचालय की व्यवस्था नहीं है । सरकारी हॉस्पीटल भी गाँव में ही है । वहाँ तक जाने के लिए टेम्पो या 108 एम्बुलेंस की सुविधा है। बडा हॉस्पीटल 18 किमी दूर डूंगरपुर में है। पालतू जानवरों के इलाज के लिए पशु अस्पताल फलोज में है।

सरकारी योजनाएँ

गाँव के 800 घरों में बिजली की सुविधा है। गाँव में पेंशन, राशन, आवास, उज्ज्वला गैस कनेक्शन जैसी सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है । गाँव में आधे से अधिक परिवारों को उज्जवला गैस कनेक्शन मिल चुका है। जिन लोगों को गैस कनेक्शन मिला है, उन्हें मिट्टी का तेल नहीं मिलता है । जिससे उन लोगों को रात अँधेरे में गुजारनी पड़ती है । गाँव में ही राशन की दुकान और पोस्ट ऑफिस भी है ।

दामड़ी गाँव की चिन्हित समस्याओं का विवरण निम्न प्रकार है-

प्राकृतिकसंसाधन

गाँव में जंगल नहीं है और गाँव की चारागाह की जमीन पर लोगों ने अपने खेत बना लिये हैं या कब्ज़ा कर लिया है । ज्यादातर जमीन पहाड़ी है । कुछ पहाड़ियों पर खनन हो रहा है । यहाँ से पत्थर निकाले जा रहे हैं ।

भूमि व जल प्रबंधन की कमी

गाँव में अधिकतर लोगों के पास खातेदारी हक नहीं है । और यदि है भी तो न्यूनतम कृषि भूमि दो बीघा और अधिकतम पांच बीघा का पट्टा है। कृषि भूमि के ऊबड़ खाबड़ होने के कारण समतलीकरण की आवश्यकता है । गाँव में पानी की सुविधा के लिए 9 बड़े-छोटे नाले, 33 कुएं, और 2 तालाब हैं, लेकिन गहराई कम होने और रिसाव के कारण नाल फला तालाब में सालभर पानी नहीं रहता है। असिंचित खेतों में सिंचाई की कोई व्यवस्था नहीं होने के कारण उनमें केवल बारिश की पानी से ही फसल की पैदावार हो पाती है। बारिश के पानी को रोकने के लिये 2 एनीकट हैं । एनिकट भी जर्जर अवस्था में हैं । बारिश में पानी दरारों के भीतर से बह कर निकल जाता है, जिससे गर्मियों के मौसम में पानी की कमी हो जाती है। गाँव में पानी का स्तर 250 फीट से नीचे है। गाँव में 33 कुएं में से 23 गर्मी के आने पूर्व ही सूख जाते हैं । गाँव के सभी जल-स्रोतों में साल के मई, जून माह तक पानी बहुत कम हो जाता है। तालाब फला तालाब से साल भर सिंचाई का पानी और पशुओ के लिए पानी मिल जाता है । नहर के न होने के कारण इसके पानी से सिमित क्षेत्र में ही सिंचाई हो पाती है । पेयजल की व्यवस्था के लिए गाँव में 60 से अधिक हैंडपंप हैं । आधे से अधिक हैंडपंप गर्मी के मौसम में सूख जाते हैं। सभी हैंडपंप और बोरवेल का पानी फ्लोराइड से दूषित है। गाँव में एक सरकारी आर. ओ. प्लांट भी लगा है, लेकिन प्लांट के मेंटेनेंस के लिए कोई व्यक्ति नहीं है । वर्षा के जल को संरक्षित करने के विषय की ओर हाल-फिलहाल गाँव के लोगों ने कोई ध्यान नहीं दिया है। गर्मी में पीने और सिंचाई के लिए पानी का गंभीर संकट पैदा हो जाता है ।

पशुपालन संबंधित समस्या

दामड़ी में प्रमुखतया गाय, बैल, भैंस व बकरी पाली जाती है। दुधारू पशुओं से इतना ही दूध हो पाता है कि घर के छोटे बच्चों का काम चल जाये । आवश्यकता पड़ने पर दुकान से खरीदते हैं । पशुओं को खिलाने के लिए चारा पर्याप्त मात्रा में नहीं होने के कारण पशु कमजोर होते हैं । साथ ही देसी नस्ल का होने के कारण वे बहुत कम दूध देते हैं । गाँव में चारागाह की जमीन पर गाँव वालों ने कब्ज़ा कर रखा है । चारागाह की जमीन पर मकान भी बना रखे हैं और उस पर खेती भी कर रहे हैं । सिंचाई के पानी की कमी के कारण खेतों में पशुओं के लिए प्र्याप्त मात्रा में चारा नहीं उगाया जा सकता है। जो भी चारा बारिश के माह में होता है, वह केवल चार या पांच माह ही चल पाता है । उसके पश्चात चारा खरीद कर

लाना पडता है। चारे की एक पुली या गट्ठर सात रूपये में मिलता है । या फिर 4-5 परिवार मिल कर 15000 से 17000 रूपये में भूसे का ट्रक खरीदते हैं।

कृषि एवं खाद्यान्न की समस्या

दामड़ी गाँव में सिंचाई के लिए पानी की आपूर्ति बारिश के मौसम में ही हो पाती है । इस कारण मुख्य फसल बारिश में ही होती है । गर्मी के मौसम में पानी की कमी हो जाती है। सिंचाई के जो भी संसाधन हैं, वे जर्जर और बेकार स्थिति में हैं । ग्रीष्म ऋतु में जिन खेतों में फसल उगती है, वे कुएं व बोरवेल के पानी से सिंचित है। गाँव में भू-जलस्तर 250 फीट से भी नीचे चला गया है। जल प्रबंधन की तरफ ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले समय में पूरे वर्ष पानी का गंभीर संकट पैदा हो सकता है । कृषि जमीन ऊबड़-खाबड़ और पहाड़ी है, जिस पर खेती मुश्किल से हो पाती है । गाँव में सिंचाई के पानी की व्यवस्था के लिये करीब 33 कुएं, 2 तालाब, 2 एनिकट और 9 बड़े-छोटे नाले हैं। लेकिन 1 बड़े तालाब को छोड़कर अधिकतर गर्मी के मौसम में सूख जाते है। गाँव में खाने में मुख्यतः मक्का उपयोग में आता है । इसके अलावा धान, गेहूँ, चने और सरसों की खेती की जाती है । इनकी खेती वही लोग कर पाते हैं, जिनके बोरवेल या कुओं में पानी की आवक रहती है । खेती में उपजा अनाज साल के 6 माह ही चल पाता है । इसके पश्चात खाने के लिए राशन की आपूर्ति का विकल्प सरकारी गेहूँ या बाजार से खरीदा हुआ अनाज है। सरकारी उचित मूल्य की दुकान दामडी में ही है। राशन की दुकान पर प्रति व्यक्ति सिर्फ पाँच किलो गेहूं मिलता है । चीनी तथा केरोसीन त्यौहारों पर ही मिलता है। राशन दुकान पर पॉस मशीन की भी समस्या रहती है । गाँव में ऐसे परिवार भी हैं, जिनके राशन कार्ड बी.पी.एल. की खाद्य सुरक्षा योजना से नहीं जुड़े हैं ।

आवागमन की समस्या

गाँव में कुल 4 पक्की सड़के हैं । गाँव के अंदर जाने वाली सड़क भी पक्की है, लेकिन गाँव के भीतरी फलों में जाने के लिए अधिकतर सी.सी और कच्ची सड़कें ही हैं। गाँव में एक नई पक्की सड़क बनी है । सड़क इतनी चौड़ी नहीं बनी है, जिस पर चार पहिया वाहन आ-जा सकें । सड़क पर ऑटो, मोटरसाइकिल या पैदल ही जा सकते हैं। सी.सी. सड़कों के किनारे बनी नालियाँ टूट गयी हैं, और गंदगी से भर गयी हैं । सी.सी. सड़कों की संख्या भी कम ही है । कच्ची सड़कों और पगडण्डियों पर धूल उड़ने की समस्या आम है । साथ ही बारिश में कच्ची सड़कें कीचड़ से भर जाती हैं, जिस कारण आने-जाने में समस्या रहती है । अधिकतर घर पक्की और सी.सी. सड़क के पास ही बने हैं, लेकिन गाँव के भीतर रहने वाले लोग कच्ची सड़क की समस्या से सबसे अधिक प्रभावित रहते हैं । गाँव के फलों में केवल नीजी वाहन जैसे मोटरसाइकिल या पैदल जाया जाता है। खड्डों की वजह से अक्सर दुर्घटना की आशंका रहती है। सड़कों के किनारे रोड लाइट की व्यवस्था नहीं होने से रात में गाँव में जाने में काफी जोखिम रहता है ।

शिक्षा एवं स्वास्थ्य का निम्न स्तर

दामड़ी के 3 प्राथमिक स्कूल और 2 उच्च माध्यमिक स्कूल हैं । सभी विद्यालयों में छात्रों की संख्या की तुलना में अध्यापकों की नियुक्ति कम की गयी है । प्राथमिक स्कूलों में कक्षा कक्ष कम हैं । कमरे कम होने से दो कक्षाएं एक साथ चलानी पड़ती हैं । बच्चों को बाहर बिठाकर भी पढ़ाया जाता है । खेल के मैदान और शौचालय की हालत भी अच्छी नहीं है । हर प्राथमिक स्कूल में सिर्फ 2 अध्यापक नियुक्त होने से पढ़ाई का स्तर ठीक नहीं है। पढाई अच्छी ना होने के कारण गाँव के बच्चों का सीखने और ज्ञान का स्तर भी काफी निम्न है । उच्च माध्यमिक स्कूलों में भी अध्यापकों की कमी है । यहाँ भी खेल के मैदान की स्थिति अच्छी नहीं है । शौचालयों में पानी की सुविधा नहीं है । उनमें नियमित सफाई भी नहीं की जाती है । छात्र-छात्राओ के लिए पीने के स्वच्छ पेयजल की सुविधा नहीं है । बच्चों को हैंडपंप का फ्लोराइड वाला पानी पीना पड़ता है । उच्च शिक्षा के लिये डूंगरपुर शहर जाना पड़ता है । अधिकतर बच्चे रोजाना डूंगरपुर आते-जाते हैं । गाँव में 5 आंगनवाड़ियाँ हैं । लोगो को आंगनवाडियों से मिलने वाले ख़राब पोषाहार को लेकर समस्या है । गाँव में एक उप-स्वास्थ्य केंद्र है, लेकिन वहाँ शौचालय और पीने के पानी की सुविधा नही है ।

आजिविका एवं रोजगार के साधनों की कमी

रोजगार की स्थिति काफी खराब है । गाँव में लोग आजीविका चलाने के लिए खेती करते हैं । या मनरेगा में मिलने वाले काम करते हैं । मनरेगा में न तो 100 दिन काम मिलता है और न ही पूरी मजदूरी । गाँव के युवा जो थोड़ा बहुत पढ़ना-लिखना जानते हैं, वे उदयपुर जिले में किसी फैक्ट्री में काम करते हैं । उदयपुर के अलावा गुजरात राज्य के अहमदाबाद, हिम्मतनगर, सूरत, मोडासा या मुंबई महानगर में मजदूरी करने के लिये जाते हैं। जहाँ उनको ज्यादातर नमकीन की फैक्ट्री में काम मिल जाता है। गाँव में मनरेगा पर काम मिलता है। जिसमें गाँव की 80प्रतिशत महिलायें जाती हैं । महिलाओं के अतिरिक्त जो पुरुष यहाँ रह कर खेती करते हैं, वे भी मनरेगा में काम पर जाते हैं। वर्तमान में मनरेगा में जो मजदूरी दी जा रही है, वह भी 80-100 रूपये रोजाना तक ही दी जाती है। मनरेगा में भी काम 50-55 दिन के लिए ही मिलता है । कुछेक लोगों को काम करने के बाद मस्टररोल के रूपये नहीं मिले हैं। बकाया मजदूरी की बात पूछने पर मजदूरी बैंक खातों में स्थानान्तरण की बात कह कर टाल दिया जाता है।

अन्य

गाँव में 3 सामुदायिक भवन हैं । इनकी हालत जर्जर है । बारिश के मौसम में इनकी छतों से पानी टपकता है । गाँव में 1 श्मशान घाट है । शमशान पर टीन या छाया की व्यवस्था नहीं है । न ही बैठने की व्यवस्था है । बस स्टैंड पर शौचालय नहीं है । गाँव में बिजली के मनमाने ढंग से आने वाले ज्यादा बिल से भी लोग परेशान रहते हैं । अक्सर बिना सूचना के बिजली काट दी जाती है ।

गाँव में उपलब्ध संसाधन, उनकी हालत और संभावनाएं-

संसाधन	हालत	सम्भावना
जल नाला एनिकट तलावडी कुआं हैंडपंप बोरवेल	गाँव में कोई नदी नहीं है। गाँव में 2 बड़े नाले हैं, जो सिर्फ बरसात में ही चालू रहते हैं । इन पर 2 एनीकट बने हुए हैं, जो जर्जर स्थिति में है । इनमें पानी बारिश के समय ही रहता है । बारिश के बाद एनिकट की दरारों में से पानी बह कर निकल जाता है । गाँव में 33 कुएं और 60 से ज्यादा हैंडपंप हैं, लेकिन 23 से ज्यादा कुएं सूखे हैं और 35 हैंडपंप में पानी नहीं आता है । जो चालू है उनका पानी भी फ्लोराइड युक्त है। गाँव में सिंचाई और मवेशियों के पानी के लिये 2 तालाब हैं, लेकिन गर्मी में एक ही तालाब में पानी रहता है । ऐसी स्थिति में मवेशियों के पीने के पानी की समस्या हो जाती है। गर्मी में सभी जल-स्रोतों में पानी की कमी हो जाती है । बोरेवेल में भी पानी कम हो जाता है।	गाँववासियों के अनुसार नाले की रिंगवाल बनानी चाहिए । नाले को पक्का बनाने से बारिश में मिट्टी का कटाव भी नहीं होगा । दोनों एनिकट को फिर से ठीक करवा कर गहरा करना चाहिए ताकि अधिक पानी इकठ्ठा हो जो पूरे साल चले । इससे खेतों में पानी की सुविधा अच्छी हो सकती है । नाले के रास्ते पर छोटे-छोटे चेकडैम बनाये जाए तो गाँव में जमीनी पानी का जलस्तर ऊँचा होगा । साथ ही तालाबों को गहरा करवाना चाहिए। दूषित पानी के प्रभाव से बचाव के लिए कुछ और भी जगहों पर आर.ओ. प्लांट लगाने चाहिए ।
जमीन कृषि भूमि बिला नाम भूमि चारागाह पहाड़	खेती की जमीन ऊबड़-खाबड़, पहाड़ियों की ढलान वाली, पथरीली और असमतल है। पानी की कमी के कारण खेती की सम्भावना केवल बारिश के मौसम में होती है । गाँव की बिलानाम जमीन और चारागाह भूमि पर गाँव वालों ने कब्ज़ा कर रखा है । 15 से 20 प्रतिशत जमीन पर घर बने हुए है । चारागाह की जमीन पर केवल बरसात में होने वाली घास होती है, जिसे चारे के रूप में लोग काट कर लाते हैं। आवासीय जमीन के पट्टे नहीं मिले है । गाँव की समतल भूमि ही सिंचित है । बाकी जमीनें असिंचित है। गाँव के पहाड़ो में अभी पत्थरों का खनन	गाँव सभा के द्वारा प्रस्ताव लेकर अपना खेत अपना काम योजना के तहत ऊबड़-खाबड़ जमीनों को समतलीकरण करके उसे उपजाऊ बनाया जा सकता है। जिस जमीन पर किसी प्रकार की उपज या पैदावार नहीं होती है, उस पर फलदार वृक्षारोपण करके गाँव को कमाई का स्रोत मिल सकता है । जिससे लोगों की आय के साधन बढ़ सकते हैं। यदि गाँव सभा पहाड़ो से पत्थरों के खनन कों कब्जे में ले ले, तो गाँव को आय मिल सकती है ।

	किया जा रहा है ।	
सड़क पक्की सड़क सी.सी. सड़क कच्ची सड़क	गाँव में 4 मुख्य पक्की सड़क हैं । एक सड़क नयी बनी है और अच्छी हालत में है । इसके अलावा 6 सी.सी.सड़क हैं । एक सी.सी. सड़क में गड्डे पड़ गये हैं, जिसके कारण हादसों की सम्भावना बनी रहती है। गाँव में जाने के लिए 10 कच्चे रास्ते भी हैं, जो काफी ज्यादा ख़राब हालत में है । गाँव में आने-जाने के लिए साधन नहीं मिलते हैं । पहाड़ी जमीन होने के कारण सड़क बनाने में समस्या आ रही है ।	यदि गाँव के सभी कच्चे रास्ते सी.सी. सड़क में बदले जायें और सी.सी. सड़कों को चौड़ा करके पुनः बनाया जाये, तो गाँव के भीतरी इलाके में आवागमन में सुविधा होगी।
प्राथमिक और उच्च माध्यमिक स्कूल	गाँव में 3 प्राथमिक और 2 माध्यमिक स्कूल हैं । अध्यापकों की कमी के कारण बच्चों की पढ़ाई नहीं हो पा रही है । स्कूलों में खेल के मैदान और शौचालय की स्थिति सही नहीं है । पीने के पानी की उचित एवं साफ़ व्यवस्था भी नहीं है । कमरों की फर्श में गड्ढे पड़ गये हैं, जिससे बच्चों को बैठने में दिक्कत होती है ।	कमरों के फर्श के गड्ढों को भरवा कर बैठने के लिए दरी और टेबल कुर्सी दी जाये । इसके अलावा स्कूल के शौचालय की भी मरम्मत करवाई जा सकती है। खेल के मैदान की बाउन्ड्री बना कर सुरक्षित किया जा सकता है । पीने के पानी के लिए आर.ओ. का प्रबन्ध किया जाये । गाँव सभा के द्वारा प्रस्ताव लेकर शिक्षा विभाग कों अध्यापकों की नियुक्ति के लिए ज्ञापन दिया जाये ।
शमशान घाट	गाँव का शमशान घाट खुले में है और पूरी तरह से टूट चुका है । वहाँ ना तो टीनशेड है और ना ही चबूतरा है।	नए सिरे से निर्माण करवाना है और लकड़ी रखने के लिए कमरा बनवाना है ।

गाँव सभा द्वारा चिन्हित मुख्य समस्याएं, उनके कारण, प्रस्तावित समाधान एवं वरीयता

क्र. सं.	समस्याएं	सार्वजनिक/ व्यक्तिगत	कारण	समाधान	तात्कालिक/ दीर्घकालिक
1	**कृषि संबधी समस्या**	**व्यक्तिगत / सार्वजनिक**	गाँव की कृषि योग्य उपलब्ध भूमि ऊबड़-खाबड़ है। सिंचाई की सुविधा भी नहीं है। सिंचाई के लिए 1 नाला है और बरसात का पानी गाँव में रोकने के लिए 2 एनिकट और 2 तालाब हैं । दोनों एनिकट जर्जर होने और 1 तालाब के गहराई कम होने के कारण पानी जल्दी ख़त्म हो जाता है । सिंचाई के लिए नहर की सुविधा भी नहीं है । भू-जलस्तर 250 फीट नीचे चला गया है । उन्नतशील बीज का अभाव होने से उत्पादन प्रभावित होता है ।	खेतों को गाँव सभा द्वारा प्रस्ताव लेकर अपना खेत-अपना काम योजना के अंतर्गत समतलीकरण, बारिश के पानी को रोकने के लिए खेतों की मेड़ बंदी तथा कच्चे चेकडैम का निर्माण। गाँव के नाले में पानी रोकने की योजना। घर और खेतों में पानी को रोकने के लिए टाके (पक्के खड्डे) बनवाना । गाँव में बरसात के पानी को ज्यादा से ज्यादा रोक कर, कुएं रिचार्ज करके जल स्तर ऊँचा किया जा सकता है। बंद हैंडपंप को चालू करवाना और गाँव में आर.ओ. प्लांट लगवाना ताकि फ्लोराइड मुक्त पेयजल मिल पाए । ज्यादा से ज्यादा कुओं का उपयोग किया जाये ताकि भू-जलस्तर एकदम से नीचे न जाये और सभी को सिंचाई का पानी मिल पाए ।	**तात्कालिक**
2	**शिक्षा सम्बंधित समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में शिक्षा के क्षेत्र में सबसे बड़ी समस्या अध्यापकों की कमी है । जो अध्यापक वर्तमान में कार्यरत हैं, वे भी समय	गाँव में प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल की संख्या बढ़ायी जाये और सभी व्यवस्थायें पूरी और अच्छी दी जाये । नए	**तात्कालिक**

			पर नहीं आते हैं । स्कूलों में खेल का मैदान और शौचालय की स्थिति सही नहीं है । बच्चों को पढ़ाने के लिए कक्षा कमरों की कमी है । पीने के पानी के लिए टंकी और शुद्ध जल की उचित व्यवस्था नही है ।	अध्यापको की नियुक्ति की जाये और अध्यापको को समय पर आने के लिए पाबंद किया जाना चाहिये ।	
3	**पेयजल की समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में 33 कुएं और 60 हैंडपंप हैं, लेकिन आधे से ज्यादा सूखे हैं या पानी नहीं आता है । जो चालू हैं, उनका पानी भी फ्लोराइड युक्त है। गाँव का जलस्तर 250 फीट से अधिक नीचे चला गया है। गर्मी के समय लोग बोरवेल से सिंचाई के लिए अत्यधिक पानी निकाल लेते हैं, जिस कारण पानी की कमी हो जाती है।	जिन कुओं में पानी खत्म हो गया है, उन्हें गहरा करवाना । जो हैंडपंप बंद हो गये हैं, जिनमे पानी कम आने लगा है, उन्हें गहरा करवाना । शुद्ध पेयजल के लिए गाँव में आर.ओ.प्लांट लगवाना ताकि फ्लोराइड मुक्त पेयजल मिल पाए । गाँव के टूटे हुए एनिकट की मरम्मत करवाना और कच्चे-पक्के चेकडैम निर्माण करना । जिससे गाँव में बरसात के पानी को ज्यादा से ज्यादा रोक कर, कुएं रिचार्ज करके जल स्तर ऊँचा किया जा सकता है। इसके लिए गाँव सभा द्वारा बैठक में प्रस्ताव भी लिया गया है ।	**दीर्घकालिक**
4	**रास्ते की समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में रास्तों की कमी है। सबसे ज्यादा समस्या उन घरों की है, जो गाँव के अंदरूनी हिस्से में रहते हैं । जहाँ सड़के कच्ची हैं	गाँव सभा कमेटी के गठन के बाद जहाँ-जहाँ रास्ते नहीं हैं, वहाँ के प्रस्ताव लिए गए हैं । सी.सी.सड़क मरम्मत करना और कच्ची सड़क को	**तात्कालिक**

			और बारिश में मिट्टी कीचड़ में बदल जाती है । सी.सी. सड़कों की नालियाँ कीचड़ से भर गयी हैं और गन्दा पानी सड़कों पर फ़ैल रहा है ।	सी.सी. सड़क में बदलना । सड़क किनारे नालियों की व्यवस्था और रोड लाइट की व्यवस्था करना ।	
5	**सरकारी योजनाओं का सही क्रियान्विति ना होना -** आवास निर्माण, पेंशन और उसके भुगतान संबधी समस्या	**व्यक्तिगत**	गाँव में आवास योजना में अभी भी कई लोगो को मकान नहीं बना है । उनका नाम लाभान्वितों सूची में नहीं है और जिन लोगों के आवास बन भी गए हैं, उनमें से ज्यादातर लोगों को दूसरी या तीसरी क़िस्त का भुगतान नहीं हुआ है। जो सक्षम लोग हैं, उनके आवास बन गए हैं । पेंशन में समस्या यह है कि गाँव में सरकारी कागजातों में उम्र अलग-अलग होने से भी लोगों की पेंशन भी बंद है।	गाँव के सबसे जरूरतमंद लोगों को आवास निर्माण हेतु आवेदन कराना और उसके लिए प्रयास करना। बकाया राशि का भुगतान तुरंत करना। जिन लोगों को पेंशन नहीं मिल रही है, उनको पेंशन योजना से जोड़ना। बंद पेंशन का भुगतान तुरंत शुरू करवाना।	**तात्कालिक**
6	**खाद्य सुरक्षा का पूरा लाभ नहीं मिलना**	**सार्वजनिक**	राशन की दुकान गाँव में है । अक्सर पॉस मशीन में फिंगरप्रिंट न मिलना या इन्टरनेट से कनेक्ट न होने की समस्या आती रहती है । अनाज में केवल गेहूँ दिया जाता है । शक्कर और केरोसिन त्यौहार पर मिलता है ।	राशन डीलर को पाबंद कर समय पर दुकान खोलने और पूरा राशन दिलवाना । जिन लोगों को राशन नहीं मिल रहा है, उनके नाम योजना में जुड़वाने के लिए गाँव सभा में प्रस्ताव लेना ।	**तात्कालिक**
7	**आंगनवाड़ी केंद्र**	**सार्वजनिक**	लोगों को ख़राब पोषाहार की शिकायत है ।	गुणवत्तापूर्ण पोषाहार उपलब्ध कराना । कुछ नयी आंगनवाड़ी निर्माण करवाना	**तात्कालिक**

संसाधन आकलन व SWOT विश्लेषण

S- Strengths शक्तियां	W- Weakness कमजोरी	O- Opportunities अवसर	T- Threats चुनौतियां
आवागमन - पक्की सड़क सी. सी. सड़क कच्ची सड़क मजदूर मनरेगा	अंदरूनी भागों में जाने के लिए कच्चे रास्तों को सी.सी. सडक में तब्दील नहीं करना। टूटी हुई पक्की सड़क और सी.सी. सड़क की मरम्मत नहीं करवाना। रोड लाइट की कमी । पंचायत का सड़क निर्माण व मरम्मत को लेकर उदासीन होना। भ्रष्टाचार का व्याप्त होना। मानदेय अनुसार व सही समय पर मजदूरी न मिलना।	मनरेगा के तहत टूटी सड़क की मरम्मत व पगडंडी को चौड़ा करना व कच्चे रास्ते का निर्माण किया जा सकता है। ऊबड़-खाबड़ जमीन का समतलीकरण रास्ता निर्माण किया जा सकता है। कच्ची सड़क को सीसी सड़क बनाया जा सकता है। रोड लाइट लगने से दुर्घटना की संभावना कम हो जायेगी ।	पंचायत व मेट के भ्रष्टाचार को रोकना। गाँव सभा को मजबूत करना। गाँव सभा द्वारा उपयोगिता प्रमाण पत्र देना। निगरानी समिति द्वारा निर्माण कार्य की निगरानी करना।
जल कुएं हैंडपंप नाले नदी तालाब एनिकट बोरवेल	बारिश का पानी संग्रहित करने की किसी भी योजना का न होना। एनिकट, नाले, कुओं, हैंडपंप में पानी सूख जाना।	मनरेगा के तहत तालाब, कुएं, एनिकट निर्माण व मरम्मत का कार्य किया जा सकता है। बोरवेल पर नियंत्रण के नियम बनाये जा सकते हैं। बारिश का पानी रोकने की योजना बनाई जा सकती है। कुएं, हैंडपंप में पानी रीचार्ज किया जा सकता है। तालाब निर्माण किया जा	पंचायत को जल संग्रहण के प्रति जागरूक करना। लोगों के बीच बारिश के पानी को इकठ्ठा करने की जागरूकता पैदा करना। गाँव सभा मजबूत करना।

		सकता है।	
आजीविका संर्वधन कृषि भूमि चारागाह मजदूरी मनरेगा सब्जी की खेती पशुपालन	कृषि भूमि का अधिकतर पथरीली व ऊबड़-खाबड़ होना। सभी लोगों के पास पर्याप्त भूमि का न होना। पशुओं के लिए पर्याप्त चारा न होना। मनरेगा के प्रति लोगों का उदासीन होना। सिंचाई के पर्याप्त साधन उपलब्ध न होना।	भूमि समतलीकरण व भूमि को उपजाऊ बनाया जा सकता है। चारागाह जमीन का विकास कर चारा उगाया जा सकता है। छोटे पशु जैसे भेड़, बकरी, मुर्गी या मधुमक्खी पालन किया जा सकता है। एनिकट, तालाब में मछलीपालन किया जा सकता है। सब्जी की खेती की जा सकती है। मनरेगा के कार्यों की सामूहिक योजना बनाई जा सकती है।	मनरेगा को मूल रूप में लागू करवाना। रोजगार की समस्या पर गाँव सभा में चर्चा करना। पंचायत व मेट के भ्रष्टाचार को रोकना। गाँव सभा को मजबूत करना।
भूमि बिलानाम जमीन गौण खनिज	बिलानाम भूमि अधिकार पत्र न मिलना। गाँव सभा द्वारा गौण खनिज निकालने की योजना नहीं बनाना।	बिलानाम भूमि के पट्टे के माँग की योजना बनाई जा सकती है। बाहरी व्यक्ति या कंपनी द्वारा खनिज निकालने पर गाँव सभा टैक्स लगा सकती है।	बिलानाम भूमि व वन दावे के लिए सामूहिक माँग की योजना बनाना। वन समिति व गाँव सभा को मजबूत करना।

गाँव सभा द्वारा तैयार गाँव का नजरिया नक्शा

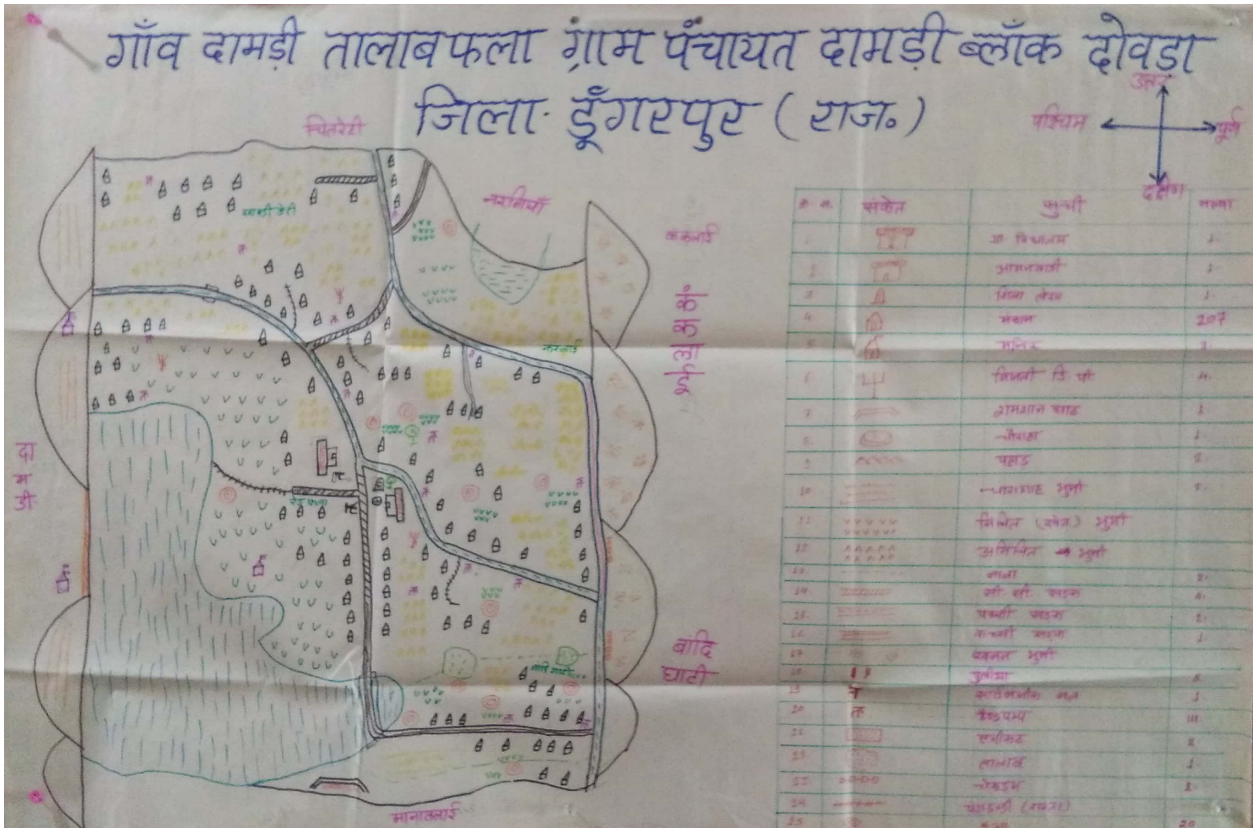

गाँव सभा द्वारा तैयार गाँव विकास योजना में प्रस्तावित कार्यों का विवरण -

क्र सं	प्रस्तावित कार्य	संख्या
1	**पेंशन के संबंध में**	
	वृद्धा पेंशन	30
	विधवा पेंशन	1
	विकलांग पेंशन	4
	एकलनारी पेंशन	2
	पालनहार 0 से 5 वर्ष	0
	6 से 18 वर्ष	2
2	**पीएम / सीएम आवास के संबंध में**	103
3	**शौचालय के संबंध में (बकाया भुगतान)**	2
4	**विद्यालय के संबंध में**	7
	रा.प्रा.वि. तालाब फला में 3 और अध्यापकों की नियुक्ति	
	रा.प्रा.वि. तालाब फला में 3 नए कमरों का निर्माण	

	रा.प्रा.वि. तालाब फला की छत मरम्मत रा.प्रा.वि. तालाब फला में जर्जर शौचालय का पुनर्निर्माण रा.प्रा.वि. तालाब फला के खेल मैदान का समतलीकरण रा.प्रा.वि. तालाब फला में विद्युत कनेक्शन रा.प्रा.वि. तालाब फला को रा.उ.प्रा.वि. में क्रमोन्नत करने के संबंध में	
5	**राशन की दुकान के संबंध में**	1
6	**सामुदायिक भवन निर्माण** **आंगनवाड़ी के पास खाली जमीन पर सामुदायिक भवन का निर्माण**	1
7	**रास्ता निर्माण** **कच्ची सड़क (ग्रेवल)** **सी.सी. सड़क**	 1 7
8	**तालाब गहरीकरण / मरम्मत के संबंध में**	2
9	**हैंडपंप के संबंध में** नए हैंडपंप पुराने हैंडपंप की मरम्मत	 6 6
10	**केटेगरी 4 के कार्य** खेत समतलीकरण व मेड़बंदी, रिंगवाल, नया कुआं / कुआं गहरीकरण / कुआं मरम्मत एवं पशुबाड़ा निर्माण, खेत तलावडी	166
11	**चेकडैम निर्माण के संबंध में**	15
12	**एनिकट निर्माण के संबंध में**	1
13	**वृक्षारोपण के संबंध में**	3
14	**काबिज भूमि पर व्यक्तिगत दावा के संबंध में**	1
15	**आपसी विवाद निपटारा के संबंध में**	1
16	**सामाजिक कुरीतियों पर रोक के संबंध में** बाल श्रम बाल विवाह डायन प्रथा मौताणा	1
17	**श्मशान घाट के संबंध में** टीन शेड निर्माण चबूतरा निर्माण परकोटा निर्माण	3

गाँव विकास नियोजन प्रक्रिया-

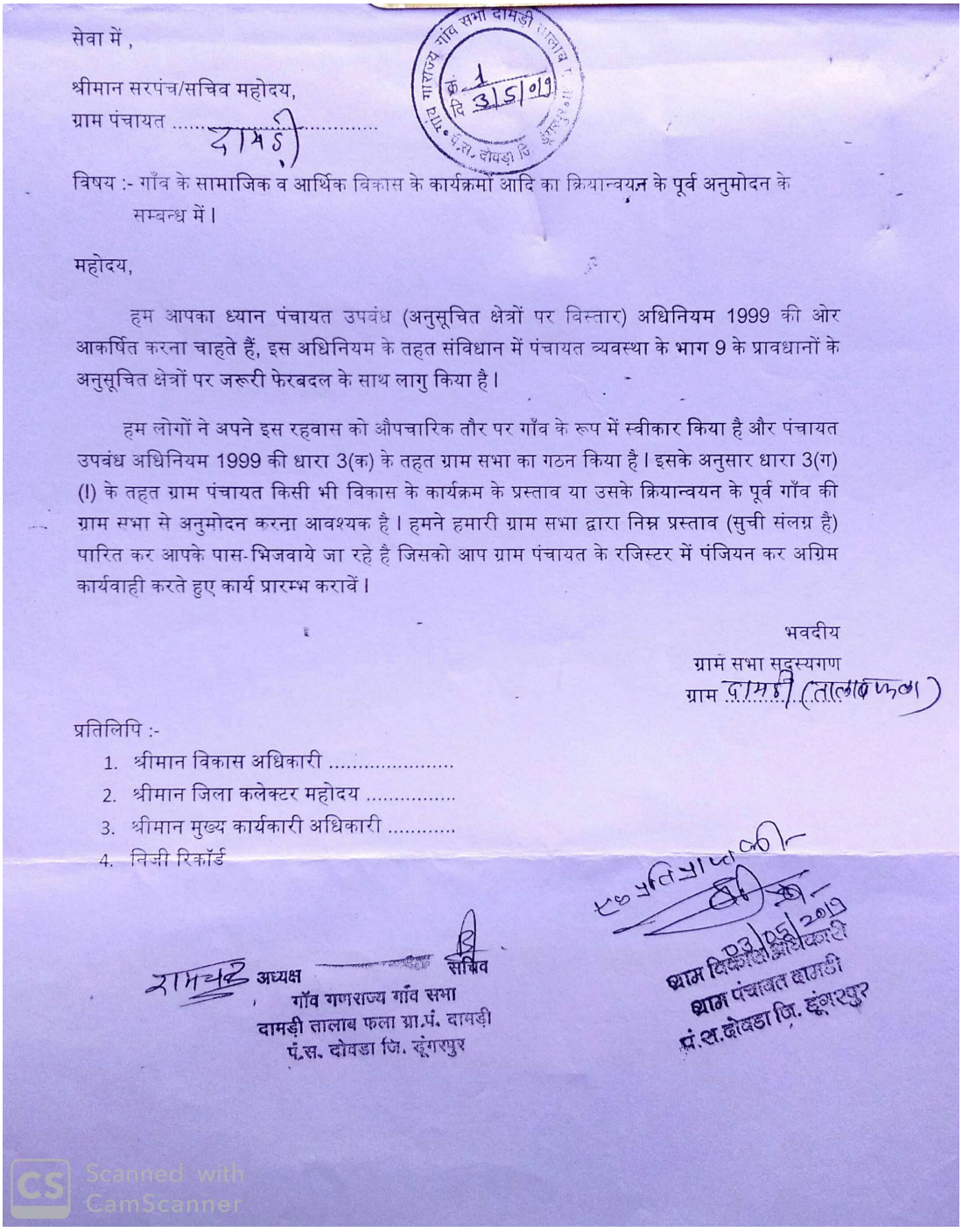

सेवा में ,

श्रीमान सरपंच/सचिव महोदय,
ग्राम पंचायत .....दामड़ी.....

विषय :- गाँव के सामाजिक व आर्थिक विकास के कार्यक्रमों आदि का क्रियान्वयन के पूर्व अनुमोदन के सम्बन्ध में।

महोदय,

हम आपका ध्यान पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम 1999 की ओर आकर्षित करना चाहते हैं, इस अधिनियम के तहत संविधान में पंचायत व्यवस्था के भाग 9 के प्रावधानों के अनुसूचित क्षेत्रों पर जरूरी फेरबदल के साथ लागु किया है।

हम लोगों ने अपने इस रहवास को औपचारिक तौर पर गाँव के रूप में स्वीकार किया है और पंचायत उपबंध अधिनियम 1999 की धारा 3(क) के तहत ग्राम सभा का गठन किया है। इसके अनुसार धारा 3(ग) (I) के तहत ग्राम पंचायत किसी भी विकास के कार्यक्रम के प्रस्ताव या उसके क्रियान्वयन के पूर्व गाँव की ग्राम सभा से अनुमोदन करना आवश्यक है। हमने हमारी ग्राम सभा द्वारा निम्न प्रस्ताव (सुची संलग्न है) पारित कर आपके पास-भिजवाये जा रहे है जिसको आप ग्राम पंचायत के रजिस्टर में पंजियन कर अग्रिम कार्यवाही करते हुए कार्य प्रारम्भ करावें।

भवदीय
ग्राम सभा सदस्यगण
ग्राम दामड़ी (तालाब फला)

प्रतिलिपि :-

1. श्रीमान विकास अधिकारी .....
2. श्रीमान जिला कलेक्टर महोदय .....
3. श्रीमान मुख्य कार्यकारी अधिकारी .....
4. निजी रिकॉर्ड

अध्यक्ष
गाँव गणराज्य गाँव सभा
दामड़ी तालाब फला ग्रा.पं. दामड़ी
पं.स. दोवडा जि. डूंगरपुर

सचिव

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत दामड़ी
पं.स.दोवडा जि. डूंगरपुर

Scanned with CamScanner

प्रस्ताव कवरिंग

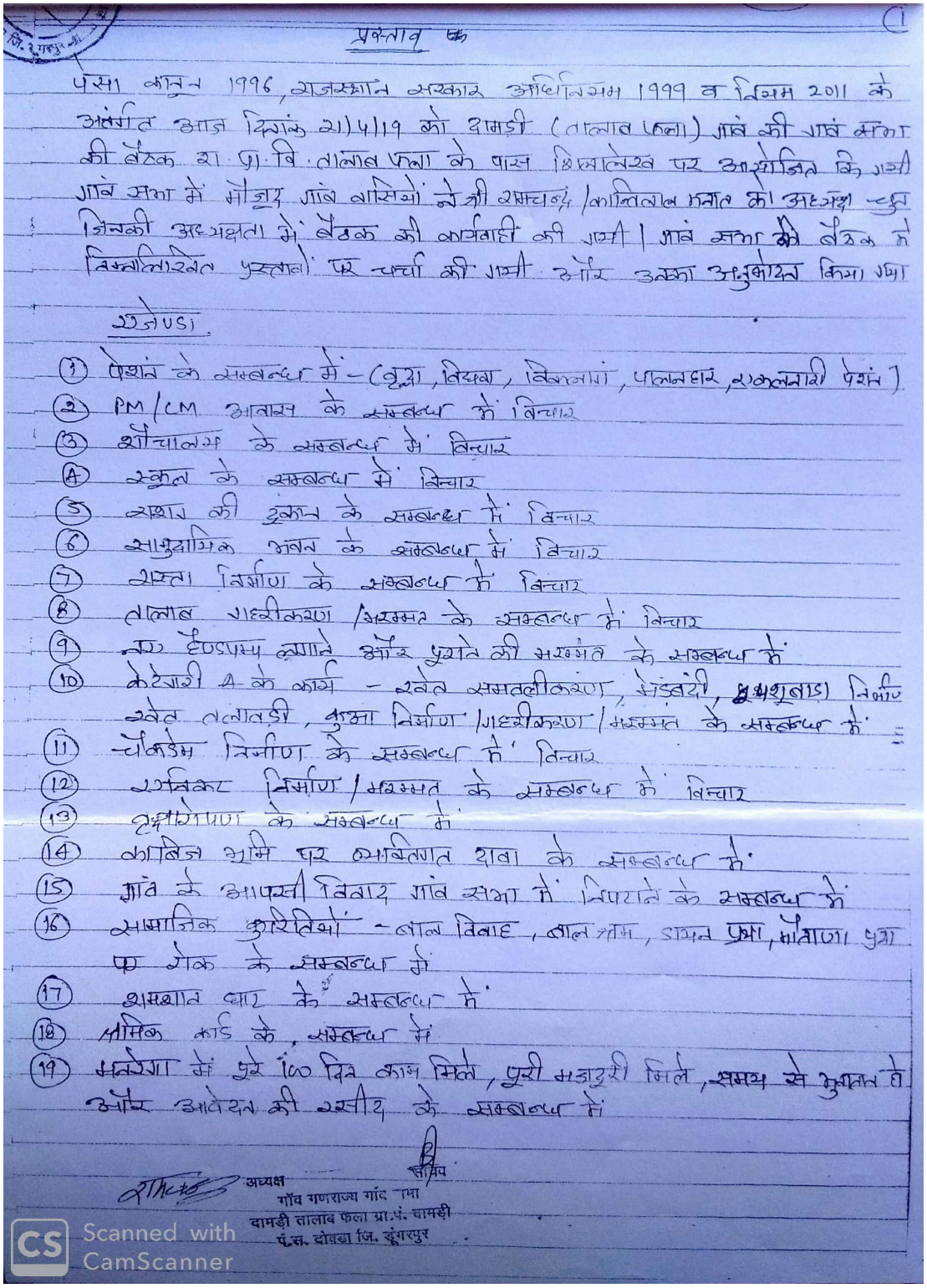

प्रस्ताव क

पेसा कानून 1996, राजस्थान सरकार अधिनियम 1999 व नियम 2011 के अंतर्गत आज दिनांक 21/5/19 को दामड़ी (तालाब फला) गांव की गांव सभा की बैठक रा. प्रा. वि. तालाब फला के पास शिलालेख पर आयोजित कि गयी गांव सभा में मौजूद गांव वासियों ने श्री रामचन्द्र /कान्तिलाल ननात को अध्यक्ष चुना जिनकी अध्यक्षता में बैठक की कार्यवाही की गयी। गांव सभा की बैठक में निम्नलिखित प्रस्तावों पर चर्चा की गयी और उनका अनुमोदन किया गया

एजेण्डा

1. पेशन के सम्बन्ध में - (वृद्धा, विधवा, विकलांग, पालनहार, एकलनारी पेंशन)
2. PM/CM आवास के सम्बन्ध में विचार
3. शौचालय के सम्बन्ध में विचार
4. स्कूल के सम्बन्ध में विचार
5. राशन की दुकान के सम्बन्ध में विचार
6. सामुदायिक भवन के सम्बन्ध में विचार
7. रास्ता निर्माण के सम्बन्ध में विचार
8. तालाब गहरीकरण /मरम्मत के सम्बन्ध में विचार
9. नए हैण्डपम्प लगाने और पुराने की मरम्मत के सम्बन्ध में
10. केटेगरी A के कार्य - खेत समतलीकरण, मेड़बंदी, पशु बाड़ा निर्माण खेत तलावड़ी, कुआ निर्माण /गहरीकरण /मरम्मत के सम्बन्ध में
11. चेकडेम निर्माण के सम्बन्ध में विचार
12. एनिकट निर्माण /मरम्मत के सम्बन्ध में विचार
13. वृक्षारोपण के सम्बन्ध में
14. काबिज भूमि पर व्यक्तिगत दावा के सम्बन्ध में
15. गांव के आपसी विवाद गांव सभा में निपटाने के सम्बन्ध में
16. सामाजिक कुरितियों - बाल विवाह, बाल श्रम, डायन प्रथा, मौताणा प्रथा पर रोक के सम्बन्ध में
17. श्मशान घाट के सम्बन्ध में
18. श्रमिक कार्ड के सम्बन्ध में
19. मनरेगा में पूरे 100 दिन काम मिले, पुरी मजदूरी मिले, समय से भुगतान हो और आवेदन की रसीद के सम्बन्ध में

सचिव

अध्यक्ष
गाँव गणराज्य गांव सभा
दामड़ी तालाब फला ग्रा.पं. दामड़ी
पं.स. दोवड़ा जि. डूंगरपुर

Scanned with CamScanner

प्रस्ताव प्रथम पृष्ठ

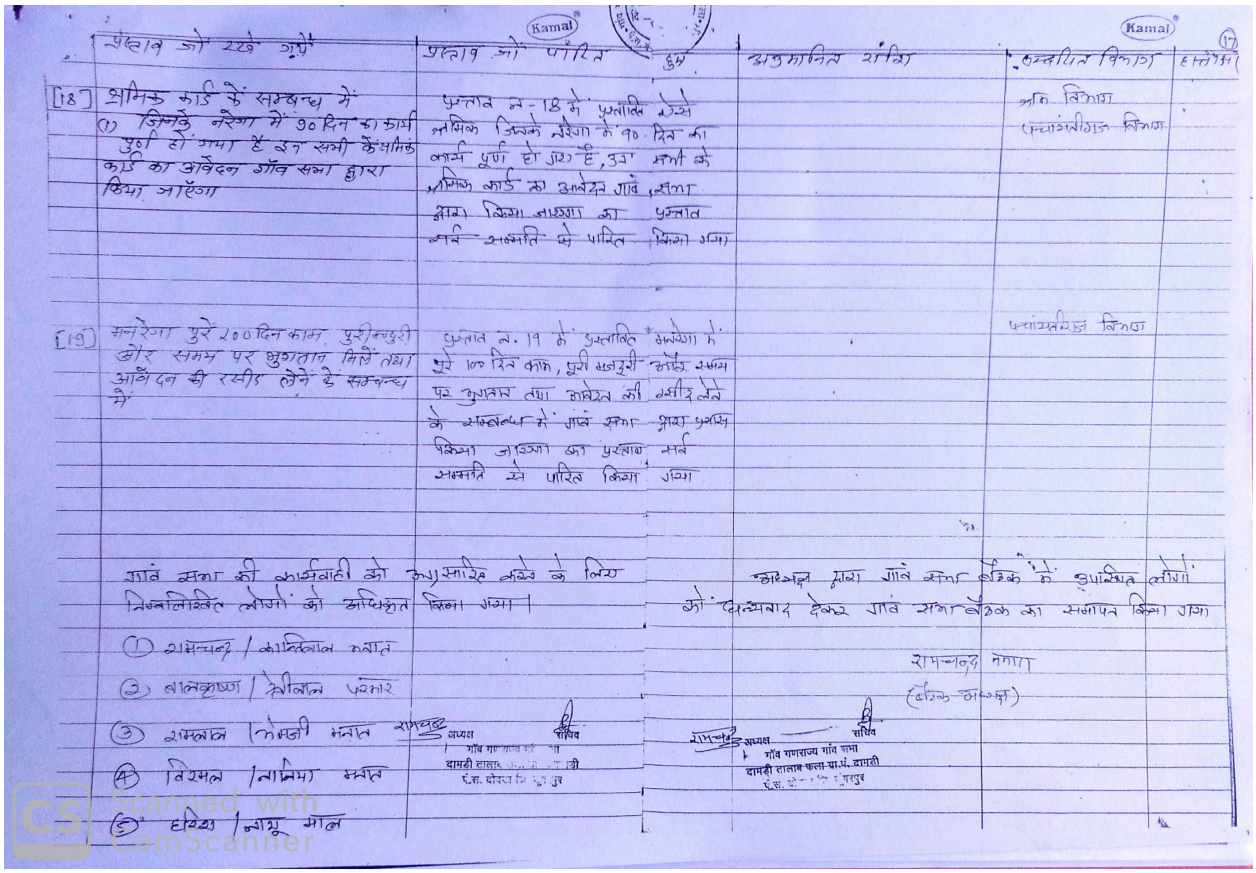

प्रस्ताव अंतिम पृष्ठ

विलेज प्लैनिंग फेसिलिटेटर टीम (वीपीएफटी)

1. भूरालाल 9928304318
2. विरमल जी मनात
3. रामचन्द्र मनात 7726063384
4. बालकृष्ण परमार 9680089334